वेबसाईट : www.abvp.org पंजिकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय- 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.
दूरभाष :(022) 24306321 / 24378866 फैक्स :24313938 ई-मेल : abvpkendra@gmail.com

दिनांक : 17 फरवरी 2020

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

जामिया लाइब्रेरी में हिंसक प्रदर्शन के बाद घुसे दंगाइयों पर कड़ी कार्रवाई करे प्रशासन : अभाविप

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की लाइब्रेरी में, 15 दिसंबर 2019 को विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्रों में हुई आगजनी तथा हिंसा में संलिप्त दंगाइयों तथा असामाजिक तत्त्वों की संभावित उपस्थिति रविवार 16 फरवरी 2020 को लीक हुए वीडियोज, 'जिसमें स्पष्टत: नकाबपोश असामाजिक तत्त्व हाथ में पत्थर लिए हुए दिख रहे हैं' में है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान तथा बांग्लादेश में अत्याचार की पराकाष्ठा का दुखद अनुभव किए हुए धार्मिक रूप से अल्पसंख्यकों को, जो 31 दिसंबर 2014 के पूर्व, भारत में प्रवेश कर चुके थे, भारतीय संसद द्वारा कानून बनाकर नागरिकता दिए जाने संबंधी 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम - 2019 के प्रभाव में आने के उपरांत, जिस प्रकार से धार्मिक रूप से कट्टर तथा दंगाई मानसिकता वाली ताकतों ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय आदि शैक्षणिक संस्थानों को अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने तथा देश को अस्थिर करने की साजिश का केंद्र बनाने की कोशिश की, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्वविद्यालय जैसे अतिव्यापक महत्त्व वाले स्थान को अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति का माध्यम बनाने के प्रयास इन असामाजिक, असहिष्णु, कट्टर, जिहादी तथा दंगाई मानसिकता की अतिनिकृष्टता को स्पष्ट करता है।

अभाविप का स्पष्ट मत है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया जैसे ऐतिहासिक महत्व के शैक्षणिक संस्थान का माहौल खराब तथा छवि धूमिल करने की कोशिश, जिन दंगाइयों और असामाजिक तत्वों ने की है, वह सर्वथा निंदनीय है। अभाविप विश्वविद्यालय प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन से यह मांग करती है कि लीक हुए वीडियोज की प्रामाणिकता की जांच कर उसमें दिखाई दे रहे दंगाई जो स्वघोषित छात्र नेता भी हैं, की पहचान की जाए तथा उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही जो लोग मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसे दंगाइयों और असामाजिक तत्त्वों को समर्थन देने की भूल कर रहे हैं, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व पर पुनः विचार करना चाहिए।

S/D
निधि त्रिपाठी
राष्ट्रीय महामंत्री

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री नीरज चौधरकर द्वारा जारी की गई है।)